SALToC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
No. 28 (Jan-Mar 2008)
TOC Provided by Center for Research Libraries

आलोचना

त्रैमासिक

सहस्राब्दी अंक अट्ठाईस
जनवरी-मार्च 2008

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

सम्पादक
अरुण कमल

सहसम्पादक
आर. चेतनक्रान्ति

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

रोगशैया से : **विश्वनाथ प्रताप सिंह** 5

संपादकीय : प्रणाम 7
पुनर्नवता की प्रतिमूर्ति : **नामवर सिंह** 9

पुनरावृत्त

बाणभट्ट की आत्मकथा—चार टिप्पणियाँ : **प्रभाकर माचवे, देवराज उपाध्याय, नलिनविलोचन शर्मा, भगवतशरण उपाध्याय** 12

बना रहे बनारस : **विश्वनाथ त्रिपाठी** 20
गद्यश्लोक हजारीप्रसाद द्विवेदी : **अष्टभुजा शुक्ल** 31
कबीर-काव्य और दूसरी परम्परा : **दयाशंकर** 37
आचार्य द्विवेदी का तुलसी-विवेक : **श्रीप्रकाश शुक्ल** 54
औपनिषदिक समय में प्रेम की अन्तर्कथा : **परमानन्द श्रीवास्तव** 63
भारतीय मूल्यों का पुनराविष्कार : **रवीन्द्र वर्मा** 68
बाणभट्ट की आत्मकथा : स्वच्छन्द चेतना का स्मारक : **नन्दकिशोर नवल** 71
चारु चन्द्रलेख : धर्म-साधना, राजनीति और संस्कृति : **खगेन्द्र ठाकुर** 79
अनामदास का पोथा : ज्यों की त्यों धरि दीनी चदरिया : **श्रीराम त्रिपाठी** 86
संकीर्ण साम्प्रदायिक दृष्टि बनाम आचार्य द्विवेदी का सांस्कृतिक चिन्तन : **एम.पी. सिंह** 95
संस्कृति और परम्परा : **अजित कुमार राय** 99
मेघदूत : एक पुरानी कहानी—फिर से कहने का कलाविवेक : **नित्यानन्द तिवारी** 103
हजारीप्रसाद द्विवेदी : परम्परा और आधुनिकता-विवेक : **शम्भुनाथ** 113
हजारीप्रसाद द्विवेदी की सौन्दर्य-दृष्टि का छन्द : **कमला प्रसाद** 121

द्वा सुपर्णा... : **नामवर सिंह** 126